मेघवर्षा

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (रा.म.अ.मौ.पू.के.) का अर्ध-वार्षिक समाचार पत्र

सितंबर 2021 अंक

कार्यालय प्रमुख का संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि वर्ष 2021 के अर्धवार्षिक हिन्दी समाचार पत्र का प्रथम अंक प्रकाशित किया जा रहा है। मुझे यह विश्वास है कि हर बार की तरह ही यह अंक भी केंद्र में हो रही वैज्ञानिक गतिविधियों व राजभाषा संबंधी कार्यकलापों को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (रा.म.अ.मौ.पू.के.), भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत एक अधीनस्थ वैज्ञानिक कार्यालय है जो मौसम और जलवायु मॉडलिंग के अनुसंधान और विकास में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। यह काम सुपर कंप्यूटर का उपयोग करके पूरा किया जाता है। रा.म.अ.मौ.पू.के के पास वर्धित विश्वसनीयता और सटीकता के साथ नए और अनूठे अनुप्रयोगों के अनुसंधान, विकास और प्रदर्शन, उच्चतम ज्ञान स्तर बनाए रखते हुए, कौशल और तकनीकी आधार के माध्यम से भारत तथा पड़ोसी देशों में उन्नत संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान प्रणाली विकसित करने का अधिदेश है।

समाचार पत्र के इस अंक में हमारे कार्यालय में वर्ष 2021 के, अप्रैल से सितंबर माह के दौरान किए गए कार्यकलापों के विवरण के साथ-साथ वर्ष 2021 की कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक घटनाएं और भारत में मौसम और जलवायु से संबंधित घटनाओं की समीक्षा प्रस्तुत की गई है। यह मेरा विश्वास है कि राजभाषा हिन्दी के प्रयोग से निश्चित रूप से विभागीय काम-काज सुगमता पूर्वक किया जा सकता है। इस सन्दर्भ में केंद्र द्वारा आयोजित हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी व हिन्दी पखवाड़ा-2021 में इन बिन्दुओं पर विशेष चर्चा कि गयी। रा.म.अ.मौ.पू.के. द्वारा अर्जित सभी उपलब्धियाँ डॉ एम. राजीवन, सचिव (सेवा-निवृत) , पृ.वि.मं, के निरंतर मार्गदर्शन एवं समर्थन और श्री गोपाल अय्यंगर जी एवं श्री मनोज अबूसरिया जी के सतत सहयोग और हमारे माननीय मंत्री, डॉ जितेंद्र सिंह जी की शुभकामनाओं के कारण संभव हो पाई है।

कोविड-19 की दूसरी लहर अत्यंत विकट स्थिति लेकर आई। टीकाकरण के बाद अब हम सभी सुरक्षित हैं। कोविड-19 से संबंधित प्रतिबंधों के बावजूद रा.म.अ.मौ.पू.कें. ने आवश्यक सेवाओं के रूप में सभी आधिकारिक कार्यों को जारी रखा। सभी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने कठिन समय में उचित देखभाल के साथ, आवश्यक सामाजिक दूरी और अन्य कोविड से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी.) का पालन करते हुए काम किया। सभी से अनुरोध है कि अपनी तथा अपने परिजनों की उचित देखभाल करें और सुरक्षित रहें। हम सभी को अपने कार्यों को अधिक से अधिक हिन्दी में कर अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वाह करते रहना चाहिए।

साभार!

डॉ० आशीष कुमार मित्रा
प्रमुख, रा.म.अ.मौ.पू.के.

विषय सूची

- कार्यालय प्रमुख का संदेश
- हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी
- केंद्र की प्रमुख गतिविधियां
- अन्य समाचार

संपादक मण्डल

- डॉ. राघवेंद्र आश्रीत
- डॉ. प्रशांत माली
- डॉ. अखिलेश कुमार मिश्रा
- डॉ.हाशमी फातिमा
- श्री हरवीर सिंह
- श्री अमित कुमार

संपर्क

कार्यालय दूरभाष 0120-2419401
वैबसाइट www.ncmrwf.gov.in
सोशल मीडिया
फेसबुक Ncmrwf | Facebook
ट्वीटर NCMRWF (@ncmrwfmoes) / Twitter
यू-ट्यूब: NCMRWF YOUTUBE - YouTube

1. हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र में आयोजित की जाने वाली यह तीसरी हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी थी । इस वर्ष हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का विषय भारत सरकार के "आत्मनिर्भर भारत" अभियान से प्रेरित था | हमारे जीवन पर मौसम एवं जलवायु का प्रभाव सर्व-विदित है। इस संगोष्ठी के माध्यम से हम मौसम एवं जलवायु विज्ञान तथा अति विषम मौसम और जलवायु के अध्ययन, भविष्यवाणी एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत देश के प्रख्यात वैज्ञानिकों एवं शिक्षाविदों के विचार उपरोक्त प्रसंग पर साझा कर सके। हिंदी भाषा में इस विषय पर संगोष्ठी करने का निर्णय भारत सरकार के "आत्मनिर्भर भारत अभियान" को विज्ञान की हमारी विधा से जोड़ने का प्रयास और एक पहल है, हम आशा करते हैं कि ऐसे अनेकानेक प्रयास भविष्य में भी होते रहेंगे और इनकी लाभदायक परिणति होगी।

वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन 22 मार्च 2021 को आभासी (ऑनलाइन) माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. नकुल पाराशर (निदेशक, विज्ञान प्रसार) तथा विशिष्ट अतिथि श्री मनोज अबूसरिया जी (संयुक्त निदेशक, राजभाषा, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार) थे । संस्थान के प्रमुख डॉ. आशीष मित्रा जी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा संगोष्ठी की रूपरेखा एवं वैज्ञानिक वक्ताओं का समय देने के लिए विशेष धन्यवाद किया। मुख्य अतिथि ने ऐसी वैज्ञानिक संगोष्ठियों की महत्ता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए केंद्र की सराहना की । विशिष्ट अतिथि श्री अबूसरिया जी ने ऐसे और आयोजन किये जाने के लिए हम सभी को प्रोत्साहित किया।

प्रथम सत्र में भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे के वैज्ञानिक डॉ. मिलिंद मजूमदार ने पुणे स्थित अत्याधुनिक तकनीक – "(कॉसमॉस) कॉस्मिक-रे मृदा नमी अवलोकन प्रणाली" द्वारा क्षेत्रीय पैमाने पर मिट्टी की नमी की परिवर्तनशीलता का अध्ययन पर अपना व्याख्यान दिया । उनके पश्चात डॉ. आर एस कंकरा (राष्ट्रीय तटीय अनुसन्धान केंद्र, चेन्नई) ने जलवायु परिवर्तन के दौर में तटों के सतत प्रबंधन की आवश्यकता पर अपने वक्तव्य के माध्यम से प्रकाश डाला।

अन्य वक्ताओं में डॉ. सोम कुमार शर्मा (भौतिकी अनुसन्धान प्रयोगशाला, अहमदाबाद), डॉ. विमलेश पंत (आई.आई.टी. दिल्ली), डॉ. योगेश तिवारी (भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे), डॉ. पंकज कुमार (आई.आई.एस.ई.आर., भोपाल), डॉ. अरुण द्विवेदी (सी -डैक, पुणे), प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश सिंह (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय), डॉ. सुशील कुमार (गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, नोएडा), डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह (दक्षिणी बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय), डॉ. रणजीत सिंह (भारत मौसम विभाग) तथा डॉ. जगवीर सिंह (पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय) भी शामिल हुए ।

2. केंद्र की प्रमुख गतिविधियां

2.1 हिन्दी कार्यशालाएँ

- दिनांक 24.06.2021 को ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में **श्रीमती डीनू रानी**, उप निदेशक (राजभाषा), समानव अंतरिक्ष उडान केंद्र, इसरो, बेंगलुरू, कर्नाटक को आमंत्रित किया गया। श्रीमती डीनू जी ने "दैनंदिन कार्यालयीन कार्य में हिन्दी का प्रयोग एवं कंप्यूटर पर काम करने के लिए उपयोगी सुविधाएं" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- दिनांक 26.08.2021 को ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में **श्री नरेश महीचा**, हिंदी प्राध्यापक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान (राजभाषा विभाग), गृह मंत्रालय, नई दिल्ली को आमंत्रित किया गया। श्री महीचा जी ने 'लीला राजभाषा एप' विषय पर विस्तृत जानकारी दी और एप को कार्यालय में कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है, सरकारी कामकाज करने में कितना कारगर सिद्ध हो सकता है। जिसे कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों बड़े ही ध्यान से सुना तथा बीच-बीच में प्रश्न गत जानकारी भी प्रदान की।

2.2 स्वच्छता पखवाड़ा

रा.म.अ.मौ.पू.के. कार्यालय में 01 - 15 जुलाई 2021 को स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान सम्पन्न गतिविधियों का ब्योरा निम्नवत है:

- ✓ दिनांक 10.07.2021 (शनिवार सुबह 8:00 - 9.30 बजे) को सभी कर्मचारियों द्वारा कार्यालय परिसर की सफाई हुई।
- ✓ दिनांक 10.07.2021 (शनिवार 10:00 - 11.30 बजे) को समस्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के बच्चों ने संस्थान में स्थित सुपर कंप्यूटर केंद्र का अवलोकन किया और वैज्ञानिकों के साथ संवाद किया।

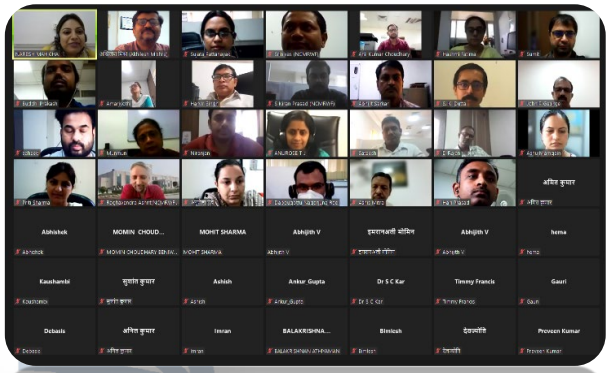

- ✓ दिनांक 11.07.2021 (रविवार सुबह 8:00 - 10:00 बजे) को संस्थान के आवासीय परिसर "पृथ्वी विहार" में स्वच्छता के प्रयास एवं वृक्षारोपण किया गया। "पृथ्वी विहार" के सभी निवासी और परिवार के सदस्यों ने इस आयोजन में भाग लिया था।
- ✓ कार्यालय परिसर में दिनांक 12.07.2021 (सोमवार) को 11:00- 12:00 बजे वृक्षारोपण किया गया।
- ✓ मंगलवार 13.07.2021 (सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक), "स्वच्छता पखवाड़ा समिति" ने वैज्ञानिकों/कर्मचारियों के कार्य क्षेत्र का दौरा किया। श्रीमती गीता गुलाटी (एस.एफ.ओ.), डॉ. अखिलेश मिश्रा (वैज्ञानिक-डी), डॉ. राघवेंद्र आश्रीत (वैज्ञानिक-एफ) को तीन सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ कार्य क्षेत्र के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
- ✓ गुरुवार 15 जुलाई 2021, 4.30 - शाम 5.30 बजे स्वच्छता पखवाड़े का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। "राष्ट्र निर्माण और स्वस्थ समाज में स्वच्छता का महत्व" पर वेब मीटिंग में वैज्ञानिकों/कर्मचारियों ने 5 से 10 मिनट तक अपने विचार साझा किये।

2.3 फिट-इन्डिया फ्रीडम रन तथा स्वतन्त्रता दिवस उत्सव

"फिट इन्डिया फ्रीडम रन" का आयोजन दिनांक 13 अगस्त 2021 को सुबह 7 बजे रा.म.अ.मौ.पू.के. के आवासीय परिसर से रा.म.अ.मौ.पू.के. के कार्यालय तक किया गया। रा.म.अ.मौ.पू.के. के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने फिट इंडिया फ्रीडम रन में भाग लिया। 15 अगस्त 2021 को हम सभी ने स्वतन्त्रता दिवस उत्सव मनाया, कार्यालय प्रमुख डॉ. आशीष मित्रा ने कार्यालय तथा आवासीय परिसर में सभी की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात आवासीय परिसर में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

2.4 राष्ट्र-गान का आयोजन

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। सरकार ने कोविड की परिस्थिति को देखते हुए सावधान रहने और बड़ी सभाओं से बचने के लिए बहुत सारे कदम उठाए, इसलिए उन्होंने राष्ट्र गान वेबसाइट पर एक लाइव राष्ट्र गान रखने की योजना बनाई। कार्यक्रम का मुख्य नारा था "आइए हम एक साथ राष्ट्रगान गाएं"। राष्ट्रगान के लिए भारत सरकार की ओर से एक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। रा.म.अ.मौ.पू.के. के कर्मचारियों ने 13 अगस्त 2021 को राष्ट्रगान का वीडियो रेकॉर्ड किया तथा इसे केंद्र की वेबसाइट पर अपलोड किया।

2.5 हिंदी पखवाड़ा-2021 का आयोजन

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, नोएडा में दिनांक 14 सितंबर, 2021 से 30 सितंबर, 2021 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित करके दिनांक 14 सितंबर, 2021 को डॉ.आशीष कुमार मित्रा, कार्यालय प्रमुख, श्री मनोज गुप्ता, निदेशक (प्रशा./स्था.), डॉ.मुनमुन दास गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' एवं डॉ.प्रवीन कुमार डी, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। श्री अमित कुमार, आशुलिपिक ने कार्यक्रम का सूत्रसंचालन किया। इस अवसर पर श्री अनिल कुमार कनिष्ठ सहायक द्वारा सर्वप्रथम माननीय श्री अमित शाह जी, गृह मंत्री, भारत सरकार का संदेश कार्यालय के सभी कार्मिकों को पढ़कर सुनाया।

श्री मनोज गुप्ता, निदेशक ने हिंदी पखवाड़े के उद्घाटन के अवसर पर सभी का स्वागत किया और हिंदी पखवाड़े के दौरान होने वाली प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत होने वाली प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा उसे सफल बनाने का आह्वान किया। तदुपरांत श्री अमित कुमार ने प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी।

डॉ. आशीष कुमार मित्रा, कार्यालय प्रमुख ने अपने भाषण में कहा कि हिंदी पखवाड़े में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताएं कार्यालय के सभी अधिकारियों कर्मचारियों के लिए लाभप्रद होगी अंत में उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को ज्यादात्तर कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, नोएडा में हिंदी पखवाड़े के दौरान कार्यालय के सभी स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं (जैसे कि हिंदी कविता पाठ, वाद-विवाद, हिंदी टिप्पण, हिंदी निबंध, हिंदी टाइपिंग, श्रुतलेख एवं अनुवाद प्रतियोगिता) आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताओं में कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। सभी प्रतियोगिताओं में शीर्ष के पांच प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया एवं प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

दिनांक 30 सितंबर, 2021 को हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। श्री अमित कुमार द्वारा पखवाड़े के दौरान हुई प्रतियोगिताओं की सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी दी एवं साथ ही कार्यालय में चलाई जाने वाले हिन्दी प्रोत्साहन योजना के बारे में अवगत कराया । उन्होंने सभी कार्मिकों को अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने का अनुरोध किया तथा सभी कार्मिकों को आश्वासन भी दिया कि अगर कार्याकि कार्यालय के किसी कार्मिक को हिन्दी में काम करने में कोई परेशानी आती है तो ऐसे कार्मिक हिन्दी अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों से निःसंकोच मदद ले सकते हैं।

कार्यालय प्रमुख ने समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया साथ ही उन्होंने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले एवं विजेता कार्मिकों एवं पखवाड़ा संचालन करने वाले कार्मिकों को बधाई दी। उन्होंने सभी कार्मिकों को हिंदी में काम-काज करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने समारोह में इस बात का विशेष उल्लेख किया कि कार्यालय में हिंदी में बहुत अच्छा कार्य हो रहा है तथा हम सभी के निरंतर प्रयासों से और भी अच्छा कर सकते हैं।

डॉ. आशीष कुमार मित्रा, कार्यालय प्रमुख, निदेशक (प्रशा./स्था.), डॉ. मुनमुन दास गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' एवं डॉ.प्रवीन कुमार डी. वैज्ञानिक 'जी' के कर-कमलों द्वारा हिंदी पखवाड़ा में आयोजित प्रतियोगिताओं में सफल हुए प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा राजभाषा विभाग द्वारा चलाए जा रहे सरकारी काम-काज हिन्दी में टिप्पण व आलेखन प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों को डॉ. जॉन.पी. जॉर्ज, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यालय प्रमुख ने सभी विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी व कार्यालय में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. मुनमुन दास गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' ने अपने संबोधन में कहा कि यह पखवाड़ा काफी जोशपूर्ण रहा है। इस साल कविता पाठ एवं भाषण प्रतियोगिताओं को काफी सराहा गया और इसमें सभी स्वंयस्फूर्ति से सहभागी हुए। इस पखवाड़े में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक आयोजित कराने के लिए उन्होंने सभी संचालकों का धन्यवाद दिया। तदुपरांत, उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा में प्रशिक्षण हेतु शेष अधिकारियों व कर्मचारियों को कार्यालय द्वारा प्रशिक्षण दिलवाया जा रहा है। उन्होंने भी ज्यादातर कार्य हिंदी में करने के लिए आह्वान किया।

<u>पुरस्कृत हिन्दी निबंध</u>: हिंदी पखवाड़े की प्रमुख प्रतियोगिता "हिंदी निबंध लेखन" के **सर्वोत्तम निबंध** बहुकार्य कर्मचारी श्रीमती रचना पाल द्वारा **"राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान"** विषय पर लिखा गया ।

<u>हिन्दी निबंध: राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान</u>

परिचय: किसी भी राष्ट्र के विकास और समृद्धि में सबसे ज्यादा योगदान उस राष्ट्र के युवाओं का होता है । युवा किसी राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी होते हैं। वर्तमान समय में युवाओं का सजग, शिक्षित और स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्र के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए युवाओं का एकजुट होकर कार्य करना, एवं राष्ट्र एकता बनाए रखना उस राष्ट्र की उन्नति का परिचायक होता है। हमारा देश एक ऐसा देश है जहां युवाओं की संख्या सबसे अधिक है। युवाओं के अग्र-लिखित उत्तरदायित्व हैः-

युवाओं का उत्तरदायित्व: भारत जैसे विकासशील देश में युवाओं के लिए अनेक अवसर हैं जो उन्हें राष्ट्र उन्नति के योगदान हेतु प्रेषित करते हैं। प्रौद्योगिकी, शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान अनेक ऐसे आयाम हैं जो युवाओं को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और उत्तर-दायित्वों के लिए प्रेरित करते हैं। लेकिन वर्तमान समय में युवा वर्ग के कुछ लोग अपने मार्ग से भटक गया है वह अपने कर्तव्यों के प्रति सजग नहीं रहे। राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं का उत्तरदायित्व है कि वे देश सेवा जैसे, कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहें नित नए प्रयोग, शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में प्रगति आदि ऐसे विषय हैं जो देश की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। देश के युवा वर्ग शिक्षा आदि क्षेत्र के लिए जो कार्य कर रहें हैं, वह पर्याप्त नहीं हैं उसके लिए अभी और प्रयास करने की आवश्यकता है। यदि प्रयास नहीं किये जाएंगे तो देश की उन्नति नहीं हो सकेगी अर्थात राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकेगा। इसके लिए युवाओं का सजग होना आवश्यक है। युवाओं की कुछ समस्याएं हैं जो उनके मार्ग में अवरोध उत्पन्न करती हैं।

युवाओं की समस्याएं: युवाओं की प्रमुख समस्याएं निम्नलिखित हैः-

अशिक्षा- शिक्षित व्यक्ति समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए अग्रसर रहता है, लेकिन हमारे राष्ट्र में अशिक्षा इसकी अवनति का प्रमुख कारण है। देश का युवा वर्ग आज भी शिक्षा से वंचित है। हमारे देश की जनसंख्या का बहुत बड़ा भाग लगभग 70 प्रतिशत गांवों में निवास करता है और वहां का एक बहुत बड़ा युवा वर्ग संसाधनों के आभाव के कारण शिक्षा से वंचित रह जाता है। उचित शिक्षा प्राप्त नहीं करने के कारण उन युवाओं में कौशल एवं आत्मविश्वास की कमी होती है एवं जानकारी का अभाव होता है। इस कारण यह युवा वर्ग पिछडेपन का कारण बन जाता है ।

गरीबी -गरीब व्यक्ति अपने बच्चों की शिक्षा का उचित प्रबंध नहीं कर पाता और इस कारण गरीब व्यक्ति के बच्चे उचित शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते हैं। गरीबी के कारण व्यक्ति अपने बच्चों की पढ़ाई छुड़वाकर उन्हें अपने साथ मजदूरी जैसे अन्य कामों में लगा लेते हैं जिस कारण उनकी शिक्षा अधूरी रह जाती है, वही बच्चे आगे चलकर एक युवा पीढ़ी में परिवर्तित हो जाते हैं, जो कि एक शिक्षा से वंचित वर्ग कहलाता है।

बेरोजगारी- हमारे राष्ट्र में बेरोजगारी एक ऐसी महामारी के रूप में सामने आ गई है जो राष्ट्र के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है। बेरोजगार युवा देश के प्रति अपने उत्तरदायित्वों की पूर्ति करने में असमर्थ है । बेरोजगारी से पीडित युवा सबसे पहले अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए कभी-कभी अनुचित कार्यों में लिप्त हो जाता है। तब तक वह राष्ट्र हित की परवाह नहीं करता एवं अनुचित तरीके से धन संग्रह करने में संकोच नहीं करता। बड़ा शिक्षित युवा वर्ग अपनी शिक्षा के हिसाब से कार्य नहीं मिलने के कारण असंतोष से ग्रसित रहता है एवं वह किसी भी कार्य को मन लगाकर नहीं कर पाता । अतः बेरोजगारी की समस्या का निदान अत्यंत आवश्यक है।

राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं द्वारा किये गये कार्य राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं द्वारा किए गए सराहनीय कार्य निम्नलिखित है:-हमारे देश का युवा वर्ग देश की उन्नति के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है, राष्ट्र निर्माण में युवा वर्ग जितनी सहभागिता दे सकता है, दे रहा है। अभी हाल ही में हुए ओलंपिक खेलों में हमारे राष्ट्र के युवाओं ने अच्छा प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया, युवा खिलाड़ियों ने गोल्ड एवं सिल्वर, मेडल (पदक) लाकर देश का नाम रोशन किया एवं अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा बन गए है।

राष्ट्र निर्माण की प्रगति में अवरोधक कारक:- हमारे देश में सामाजिक परिस्थितियों की वजह से शिक्षा प्राप्त करने वालों में महिलाओं का प्रतिशत कम रहा करता था। पूर्व में लड़कों की शिक्षा पर अत्यधिक ध्यान दिया जाता था, वहीं लड़कियों को इसके प्रति वंचित रखा जाता है, जिस कारण वह राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान नहीं दे पाती, यदि उन्हें शिक्षा के समुचित अवसर प्रदान किये जाए तो वह भी देश निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। परिस्थितियाँ धीरे-धीरे बादल रही हैं और सरकार तथा तमाम सामाजिक संस्थानों के प्रयासों से महिलाओं की शिक्षा में काफी प्रगति हुई है।

आज का युवा वर्ग नशे की लत का शिकार होता जा रहा है जो कि अत्यंत हानिकारक है। देश में नशीले पदार्थ का कारोबार एक बड़े युवा वर्ग को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। नशे की गिरफ्त से निकलना युवा वर्ग के लिए बहुत ही मुश्किल है, लेकिन राष्ट्र की उन्नति के लिए युवा वर्ग का स्वस्थ होना बहुत ही आवश्यक है। इसके लिए युवाओं के लिए प्रयास किया जाए कि वो इस दलदल से बहार निकले एवं राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों की तरफ अग्रसर हों। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा युवा वर्ग को समुचित समर्थन प्रदान किया है, श्री मोदी जी ने स्किल इंडिया, डिजिटलाइजेशन, आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यों से युवाओं को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए प्रेरित किया है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं शिक्षा के क्षेत्र में श्री मोदी जी द्वारा युवाओं के लिए काफी कार्य किए गए है, जिनकी वजह से युवा वर्ग में प्रधानमंत्री जी की काफी लोकप्रियता है।

निष्कर्ष:- वर्तमान समय में युवा वर्ग राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के लिए तैयार है लेकिन समुचित संसाधनों के अभाव के कारण वह अपने उत्तरदायित्वों की पूर्ति करने में असमर्थ है। यदि युवाओं को अशिक्षा, गरीबी एवं बेरोजगारी जैसे दल-दल से बाहर निकाला जाए तो युवा वर्ग देश को एक नए मुकाम पर ले जाएगा, लेकिन इसके लिए सर्वप्रथम युवाओं को अपने कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य करना होगा एवं देश की सरकार को भी उनके हितों का ध्यान रखना होगा तभी यह राष्ट्र उन्नति का कारक होगा।

- रचनापाल
(बहुकार्य कर्मचारी)

3. अन्य समाचार

(क) चक्रवाती तूफान गुलाब

जीवन इतिहास: दिनांक 24 सितंबर की सुबह 08:30 बजे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और पड़ोस के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना। यह उसी दोपहर में पूर्व-मध्य और इससे सटे पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी पर एक अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र के रूप में परिवर्तित हुआ। अनुकूल पर्यावरण और समुद्री परिस्थितियों में, यह दिनांक 24 सितंबर की शाम 05:30 बजे पूर्व-मध्य और आसपास के पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी पर एक अवदाब में परिवर्तित हो गया। पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, यह दिनांक 25 सितंबर की सुबह (05:30 बजे) उत्तरी दिशा एवं आसपास की मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक गहरे अवदाब में बदल गया। पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ते हुए, यह दिनांक 25 सितंबर 2021 की शाम 05:30 बजे उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर चक्रवाती तूफान "गुलाब" बन गया। इसके बाद यह और तीव्र हो गया। धीरे-धीरे 26 सितंबर की दोपहर (11:30 बजे) के आसपास इस चक्रवात से जुड़ी हवाएँ 75 कि.मी प्रति घंटे की रफ्तार से 95 कि.मी प्रति घंटे की चरम तीव्रता तक पहुंच गईं । आगे पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, यह उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट के निकट दक्षिण ओडिशा (उत्तरी अक्षांश 18.4° तथा पूर्वी देशांतर रेखा 84.2°) के तटों को पार कर गया । इसके बाद, यह 27 सितंबर के शुरुआती घंटों (02:30 घंटे) में उत्तरी आंध्र प्रदेश और इससे सटे दक्षिण ओडिशा के भू-भाग पर टकरा गया, और 27 तारीख की शाम (17:30 घंटे) दक्षिण छत्तीसगढ़ में एक अवसाद के रूप में कमजोर हो गया। 28 सितंबर की दोपहर यह और कमजोर होकर, पश्चिमी भागों पर एक निम्न दबाव क्षेत्र में बदल गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चक्रवाती "तूफान" गुलाब के कारण आंध्र प्रदेश में 4, तेलंगाना में 3 और महाराष्ट्र में 11 लोगों की मृत्यु हुई।

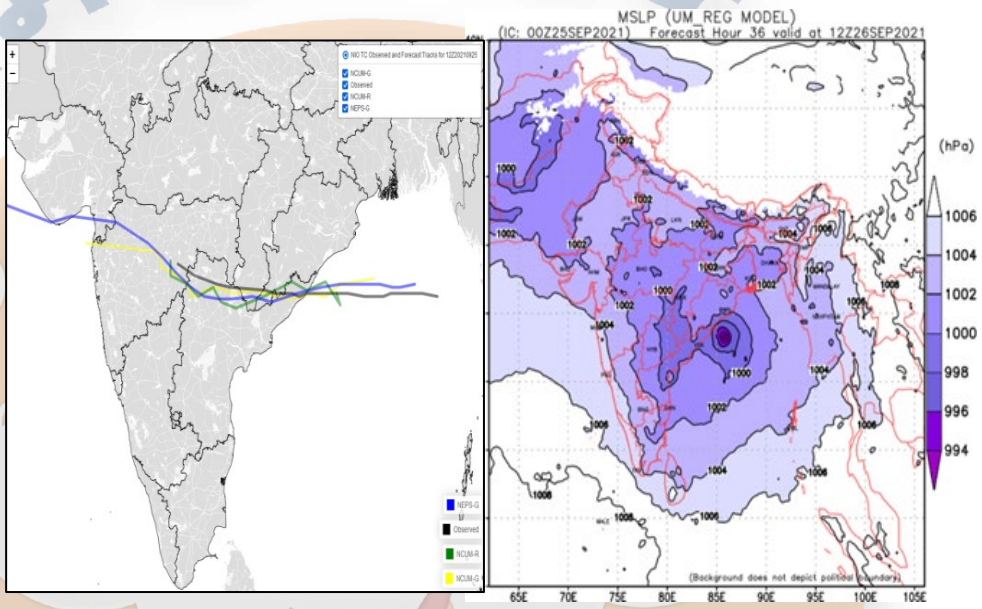

-हरवीर सिंह
(परियोजना वैज्ञानिक)

(ख) कोरोना काल में संस्थान का अनुभव

वर्ष 2020 में कोविड-19 संक्रमण द्वारा पूरे विश्व में तबाही मचाने के पश्चात वर्ष 2021 में जब सभी ने यह सोच लिया था कि कोविड-19 संक्रमण अब समाप्ति की ओर है, तभी कोविड संक्रमण एक बार फिर तीव्र गति से हमारे देश में फैला। संक्रमण के फैलने के साथ ही एक बार फिर से देश में लॉकडाउन लगाना पड़ा। भागती-दौड़ती जिंदगी में अचानक लगे इस ब्रेक और कोरोना वायरस के डर ने लोगों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालना शुरू कर दिया। इस बीच चिंता, डर, अकेलेपन और अनिश्चितता का माहौल बन गया जिसके कारण लोग दिन-रात इससे जूझ रहे थे।

इस लॉकडाउन में पिछले वर्ष की तरह संपूर्ण लॉकडाउन तो नहीं लगा परन्तु इसका असर कामकाज एवं अर्थव्यवस्था के साथ-साथ रोजाना ऑफिस जाने वाले लोगो पर भी पड़ा जहाँ एक ओर राज्य परिवहन विभाग की सेवाओं को कम किया गया था। वहीं दूसरी ओर दिल्ली मेट्रो की ट्रिप को भी लगभग आधा कर दिया गया। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर दूसरी सभी सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे जो काफी हद तक संक्रमण को बढ़ने से रोकने के लिए जरूरी भी थे।

लॉकडाउन लगने के पश्चात भी कर्मचारियों की सुविधानुसार एवं केन्द्र सरकार के आदेशानुसार कार्यालय में 50% कर्मचारियों को घर से कार्य करने एवं बाकी 50% कर्मचारियों को कार्यालय में आकर कार्य करने का आदेश दिया गया। इस चिंताजनक स्थिति के बावजूद सभी कर्मचारियों

को हमारे कार्यालय प्रमुख, डॉ० ए० के० मित्रा एवं निदेशक (प्रशा/स्था) श्री मनोज गुप्ता जी का महत्वपूर्ण सहयोग एवं निर्देशन प्राप्त हुआ। सभी वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु हम उनका धन्यवाद करते हैं।

इस त्रासदी से हमारा कार्यालय भी अछूता नहीं रहा जहाँ हमने अपने कुछ साथियों को खोया, वहीं कुछ कर्मचारियों ने अपने परिजनों को भी खोया। हमारे ही मंत्रालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० ए० के० बक्सला का कोविड संक्रमण के कारण दुखद निधन हो गया। डॉ० बक्सला सकारात्मक व्यक्तित्व के स्वामी थे। वह एक साधारण परिवार से आते थे, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछडे वर्ग से होने के बावजूद भी उन्होंने अपनी मेहनत एवं लगन के बल पर वरिष्ठ वैज्ञानिक पद प्राप्त किया। डॉ० बक्सला ने एग्रो-एडवाइजरी सेवाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके मृदुभाषी व्यवहार तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण को हमेशा याद रखा जाएगा। हमारे ही कार्यालय से श्री अंकुर गुप्ता जी ने भी अपने पिताजी को खोया जो बहुत दुखद है।

हालांकि हमारे देश में जनवरी, 2021 से ही टीकाकरण अभियान की शुरूआत माननीय प्रधानमंत्री जी ने कर दी थी। परन्तु शुरूआती समय में टीकों की सीमित मात्रा में उपलब्धता के कारण आम-जनता को थोडी समस्या का सामना करना पड़ा। टीका लगवाने के लिए विकसित कोविन एप से पंजीकरण कर टीका लगवाना एक सराहनीय कदम था, कुछ समय पश्चात जैसे ही टीकाकरण अभियान ने गति पकड़ी तो भारत को विश्व रिकॉर्ड बनाने में ज्यादा समय नहीं लगा। इस महामारी से लड़कर भारत एक वैश्विक कोविड वैक्सीन हब के रूप में उभरा है जो न केवल वैक्सीन के विकास एवं निर्माण के कारण संभव हुआ है बल्कि यह भी सुनिश्चित किया गया है कि इसका परिवहन कैसे किया जाएगा एवं संपूर्ण टीकाकरण अभियान किस प्रकार संचालित करना है।

इस टीकाकरण अभियान में "वैक्सीन हेज़िटेंसी" जैसी समस्याएँ भी सामने आयीं, महामारी को समाप्त करने के लिये "वैक्सीन हेज़िटेंसी" को सबसे पहले समाप्त किया जाना चाहिये क्योंकि केवल टीका विकसित करने से नहीं बल्कि टीकाकरण करने से ही संक्रमण को रोका जा सकेगा। कोविड-19 के खिलाफ विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण के लिये लोगों को शिक्षित करने, टीकाकरण प्रक्रिया का पालन करने, वायरस के नए प्रारूपों पर नज़र रखने, लाभार्थियों के आवश्यक डेटा रिकॉर्ड को बनाए रखने एवं हमारी रणनीति को परिष्कृत करने सहित एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। अब हमारा लक्ष्य टीकाकरण अभियान को जारी रखना होना चाहिए और जरूरत होने पर सभी को बूस्टर डोज देना भी सुनिश्चित करना चाहिए। कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए टीकाकरण जारी रखना ही इस विषाणु को हराने और उसके सामुदायिक संचरण को रोकने का एकमात्र तरीका है।

-मोहित शर्मा
(बहुकार्य कर्मचारी)

(ग) सचिव पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय डॉ. एम. राजीवन की सेवा-निवृत्ति

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. राजीवन 30 जून 2021 को अपने पद से सेवानिवृत्त हुए। सचिव पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के पद पर लगभग साढ़े पाँच वर्ष के कार्यकाल के दौरान डॉ. राजीवन ने मंत्रालय में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिनके सकारात्मक दूरगामी परिणाम होंगे। डॉ. राजीवन की अपने कुशल नेतृत्व तथा मृदु-भाषी स्वभाव के कारण मंत्रालय तथा मंत्रालय से संबद्ध समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मन में सम्मानजनक छवि है। उनकी उनके कार्यकाल की एक प्रमुख उपलब्धि मंत्रालय द्वारा सुपर कम्प्यूटर का क्रय कर पाना था। उनके ही मार्गदर्शन तथा निर्देशन में मंत्रालय ने **मिहिर** तथा **प्रत्यूष** सुपर-कम्प्युटर खरीदे, जिनमें से एक मिहिर हमारे संस्थान में मौसम के पूर्वानुमान से संबन्धित गणना तथा पूर्वानुमान के लिए उपयोग होता है। डॉ. राजीवन ने पहले से उपलब्ध सुपर-कम्प्यूटर की सीमाओं तथा नई जरूरतों की समझा तथा इनके क्रय में सक्रिय भूमिका निभाई। राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र में राडार तथा उपग्रह से अधिक से अधिक डाटा संग्रह कर उनका उपयोग पूर्वानुमान मॉडेल्स में असीमिलेट करने में होता है, डॉ. राजीवन ने केंद्र के इस प्रयास में हमेशा अपना सहयोग दिया। हमारा केंद्र पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एक महत्वपूर्ण प्रोग्राम "मानसून-मिशन" में भी सहभागी है, डॉ. राजीवन ने समय-समय पर केंद्र के वैज्ञानिकों तथा प्रमुख को उचित सलाह देकर इस महत्वाकांक्षी परियोजना का संचालन किया। ये उनका उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा विषय के प्रति रुचि ही थी जिनकी वजह से हम देश के पहले निर्बाध पूर्वानुमान प्रणाली (सीमलेस फोरकास्टिंग सिस्टम) को अपने केंद्र पर ऑपरेशनल कर पाये। संस्थान पर प्रचलित (ऑपरेशनल) निर्बाध पूर्वानुमान प्रणाली यूनीफ़ाइड मॉडल पर आधारित है, इसकी विशिष्टता है की एक ही मॉडल 300 मीटर/4 कि. मी./12 कि. मी/60 कि. मी रेसोल्यूशन तथा 48 घंटे से 3 महीने तक के पूर्वानुमान (सीजनल फोरकास्टिंग) के लिए इस्तेमाल किया जाता है, सामान्यतः अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से ये विभिन्न प्रकार के मौसम पूर्वानुमान अलग-अलग तरह के मॉडल की मदद से किए जाते हैं। डॉ. राजीवन ने हमारे केंद्र के लिए 2021-2026 की योजना बनाने में भी विशिष्ट योगदान दिया, अभी भी कई विषयों पर हमें उनका मार्गदर्शन मिलता रहता है। उन्होंने हमारे संस्थान (राष्ट्रीय माध्यम-अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र) को समय-समय पर प्रोत्साहित किया और हमेशा अपना सहयोग देते रहे। । उनके इस विशेष सहयोग के लिए संस्थान तथा यहाँ कार्यरत हम सभी हमेशा उनके आभारी रहेंगे। हमें आशा ही नहीं वरन पूर्ण विश्वास है की भविष्य में भी हमें डॉ. राजीवन के वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उनकी विशेषज्ञता का लाभ मिलता रहेगा। हम सभी उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना करते हैं।

-डॉ. आशीष कुमार मित्रा (वैज्ञानिक जी तथा प्रमुख, रा.म.अ.मौ.पू.के.)

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (रा.म.अ.मौ.पू.के) के अर्ध-वार्षिक समाचार पत्र का सितंबर 2021 अंक